चर्चा होने से देश के लिए भी अच्छा होगा। मैं आग्रह करूंगा कि सब लोग अपने-अपने स्टेट्स के एम.पीज़ को बोलें कि सीरियस इश्यू में अटेंडेंस भी थोड़ी ज्यादा होनी चाहिए।

डा. सत्यनारायण जटिया : उपसभापति जी, मैं भी इस विषय पर बोलना चाहता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, it means that we have spent only around thirty minutes. Another one-and-a-half hour remains. If more Members want to speak, they can do so next time and then the Minister can reply. Now, let us take up Special Mentions. Shri Parimal Nathwani.

SPECIAL MENTIONS – *Contd.*

***Demand for central assistance for restoration of natural beauty and flow of river Harmu in Ranchi in Jharkhand**

श्री परिमल नथवानी (झारखंड) : महोदय, झारखंड की राजधानी रांची के बीच हरमू नदी सदियों पहले शायद नदी की तरह बहती होगी, लेकिन आज वह एक गंदे, बदबूदार नाले से ज्यादा कुछ नहीं। हरमू, जो कि रांची की जीवन-रेखा बन सकती है, आज न सिर्फ उपेक्षित है, बल्कि उसके दोनों किनारों पर अंधाधुंध अतिक्रमण, कचरे के ढेर और कुदरती बहाव को रोकने के तमाम हथकंडे इस बारह किलोमीटर लंबी नदी पर चल रहे हैं। इसके पीछे कोई राजनीतिक मंशा हो या व्यापारिक लालसा, नुकसान हरमू का हो रहा है, रांची का हो रहा है, झारखंड के लोगों का हो रहा है।

महोदय, माननीया जल संसाधन मंत्री महोदया को इस विषय में मैंने अलग से पत्र लिखा है और इस पर सदन में भी प्रश्न उठाया है। झारखंड के लोगों को समाधान चाहिए। राज्य प्रशासन के पन्द्रह करोड़ रुपये हरमू नदी के दो किलोमीटर के सौंदर्यीकरण के लिए पर्याप्त नहीं हैं। केन्द्र की सहायता और हस्तक्षेप के बिना हरमू नदी का सौंदर्यीकरण संभव प्रतीत नहीं होता। रांची में हरमू के किनारे एक श्मशान-भूमि के जीर्णोद्धार के वक्त मैंने नदी की स्थिति देखी है। दिल दुखता है और मन खिन्न होता है। नई सरकार तहत गंगा के साथ-साथ देश की अन्य नदियों की सफाई के मुद्दे पर देश में अतिरिक्त उत्साह है। इसके मद्देनज़र हरमू नदी के भले के लिए और रांची की इस धरोहर को बचाने के लिए केन्द्र की मदद न सिर्फ आवश्यक है, बल्कि अनिवार्य भी है।

***Demand to take action with regard to installation of high power communication towers by Pakistan near Indian border**

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान) : महोदय, मैं आपके माध्यम से अति लोक महत्व का मामला भारत सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं। भारतीय सीमा के पास पाकिस्तान सरकार अपनी सीमा में उच्च शक्ति के टावर्स लगा रही हैं। इन टावरों की रेंज भारतीय सीमा में 40-50 किलोमीटर तक कार्य कर रही है। इससे भारत की सीमा के पास कोई भी व्यक्ति

---

*Laid on the Table.

[श्री नारायण लाल पंचारिया]

पाकिस्तान में बात कर सकता है, जिसकी जानकारी भारत सरकार को नहीं होगी। उस व्यक्ति ने कब बात की, क्या बात की, किससे बात की, इन सारे तथ्यों की जानकारी भारत सरकार को नहीं होगी। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस संबंध में तुरंत कार्रवाई करें ताकि भारत की सीमा सुरक्षित रह सके। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Chaudhary Munavver Saleem. Please lay it on the Table.

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं अपना स्पेशल मेंशन पढ़ना चाहता हूं।...(व्यवधान)...

†[**چودھری منوّر سلیم :** سر، میں اپنا اسپیشل مینشن پڑھنا چاہتا ہوں ...(مداخلت)...]

श्री उपसभापति : सब्जेक्ट बताकर ले कर दीजिए।

चौधरी मुनव्वर सलीम : सर, अभी टाइप है। मैं इसे पढ़ देता हूं। ...(व्यवधान)... यह छोटो-सा है।

†[**چودھری منوّر سلیم :** سر، ابھی ٹائپ ہے۔ میں اسے پڑھ لیتا ہوں ...(مداخلت)... یہ چھوٹا سا ہے۔]

श्री उपसभापति : ठीक है।

Demand for action against police officials for lathi-charge against the students demonstrating peacefully at the embassy of Israel

चौधरी मुनव्वर सलीम : माननीय उपसभापति महोदय, दिनांक 14.07.2014 को दिल्ली की सुनहरी तारीख में एक इंकलाबी दिन के रूप में हमेशा याद किया जाता रहेगा। यह वह दिन है, जब हिन्दुस्तानी नौनिहाल फिलिस्तीनी अवाम पर हो रही बरबरियत के खिलाफ इज़रायली दूतावास के बाहर मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रदर्शन कर रहे थे। भारत का इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत के नौजवानों ने हमेशा ज़ुल्म के ख़िलाफ और मज़लूम के हक में अपनी आवाज़ बुलन्द की है। भाईचारा, लोकतांत्रिक परम्पराएं और अधिकार हमारी धरोहर हैं। इज़रायल का विरोध करने वाले छात्रों पर उठने वाली लाठियां दिल्ली पुलिस का अफसोसनाक कृत्य है। हम इसकी घोर निन्दा करते हैं और लोकतंत्र में विश्वास करने वाले नौजवानों की मांगों से अपने आपको जोड़ते हुए दोषी पुलिसजनों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हैं।

---

† Transliteration in Urdu Script.